>

Title: Regarding functioning of CBI.

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): अध्यक्ष महोदया, आप अच्छी तरह जानती हैं कि पिछले सत्र से हम इस बात पर बार-बार जोर देकर मांग कर रहे हैं कि सीबीआई की कार्यशैली पर चर्चा करायी जाए। आप यह भी जानती हैं कि पिछले सत्र की बीएसी की मीटिंग में इस विषय को स्वीकार भी कर लिया था और कार्यावली में यह चर्चा लगा भी दी गई थी। कार्यसूची में यह चर्चा दो हफ्ते तक लगती रही। लेकिन किसी न किसी कारण से यह चर्चा टलती रही और हम यह चर्चा नहीं कर पाए। इस बार भी आपको याद होगा कि सत्र शुरू होने से पहले आपने जब पार्टी नेताओं की मीटिंग बुलायी थी और हम से यह जानना चाहता था कि हम किन विषयों पर चर्चा कराना चाहते हैं तो एक प्रमुख विषय के रूप में मैंने इसे रखा था कि हम सीबीआई की कार्यशैली पर चर्चा करना चाहते हैं। लेकिन अब सत्र समापन की ओर बढ़ रहा है। यह दो दिन का एक्सटैण्डिड सैशन है, लेकिन अभी तक हमें कोई चर्चा नहीं मिली है। कल एक प्रकरण ऐसा घटा, जिसके कारण यह चर्चा बहुत प्रासंगिक हो गई। गुजरात के एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ... * ने यह आरोप लगाया है और यह समाचार पत्रों में बहुत प्रमुखता से छपा है कि सीबीआई के अधिकारी उन पर प्रैशर डाल रहे हैं, दबाव बना रहे हैं कि वह वहां के बड़े नेताओं का नाम लें ताकि वे उन्हें फंसा सकें और यदि वह ऐसा नहीं करेंगी तो वे गीता जौहरी को फंसाएंगे। इससे ज्यादा गंभीर आरोप कोई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी नहीं लगा सकता है। हम बार-बार इस बात को कहते रहे हैं कि यह सरकार सीबीआई का राजनैतिक दुरूपयोग करती है, अपने लोगों को बचाती है, विरोधियों को फंसवाती है और कुछ लोगों पर तलवार लटका के रखती है...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: The name will not go on record.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप कृपया किसी का नाम न लें।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : कुछ राजनेताओं के सिर पर तलवार लटका देती है ताकि उनसे अपना हित साधन कर सके। इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि आपने दो दिन के लिए सत्र बढ़ाया है, संसदीय कार्य मंत्री बैठे हैं, एक दिन के लिए और सत्र बढ़ा दीजिए, लेकिन हमें यह चर्चा चाहिए। दो दिन आप विधायी कार्य कर लीजिए, लेकिन सीबीआई की कार्यशैली पर चर्चा के बिना यह सत्र का समापन न हो, यह मेरी आपसे मांग है। मैं चाहती हूं कि संसदीय कार्य मंत्री इस पर रिस्पौण्ड करें। एक दिन के लिए सत्रावधि बढ़ाने के लिए हम तैयार हैं, लेकिन सीबीआई की कार्यशैली उभर कर यहां आनी चाहिए।...(व्यवधान) हम सदन के माध्यम से देश को बताना चाहते हैं कि सीबीआई का राजनैतिक दुरुपयोग इस सरकार द्वारा कैसे किया जा रहा है?...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: आप बैठ जाइए, मंत्री महोदय कुछ कहना चाहते हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : सतीश शर्मा, ओतावियो क्वात्रोची को बचा लो और बाकी सब को फंसा दो। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, हम इस सदन के माध्यम से चर्चा करके देश को बताना चाहते हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: मंत्री महोदय कुछ कहना चाहते हैं, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : यहां संसदीय कार्य मंत्री जी बैठे हुए हैं, मैं उनसे कहना चाहती हूं कि आप एक दिन के लिए और सत्र बढ़ा दीजिए।...(व्यवधान)

11.06 hrs.

At this stage, Shri Ganesh Singh and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table

संसदीय कार्य मंत्री और जल संसाधन मंत्री (श्री पवन कुमार बंसल): अध्यक्ष महोदया, नेता विपक्ष ने याद दिलाया है कि यह विषय पिछले सत्र में लिस्ट ऑफ बिजनैस में लगा था, मैं श्रीमती सुषमा जी को यह याद दिलाना चाहता हूं कि जिस वक्त उन्होंने कहा, उसी वक्त सरकार ने उसे कबूल कर लिया था कि हम चर्चा चाहते हैं। इसलिए इस बात का, इस ढंग का एक भ्रम है कि शायद सरकार नहीं चाहती। पहले तो मैं यह कहना चाहता हूं, यह कहना कि सरकार नहीं चाहती, यह गलत है। सरकार ने यह बात हमेशा कही है और यह बात चर्चा के जरिए भी कही जा सकती थी, जो हमारे ऊपर किसी ढंग का आरोप लगता है, यह बेबुनियाद है।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि सरकार ने कभी भी सीबीआई का दुरुपयोग नहीं किया और न ही कभी करेगी, यह बात मैंने पहले भी कही है और आज भी कह रहा हूं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: मंत्री महोदय की पूरी बात सुन लीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल: सीबीआई एक ऑटोनोमस बॉडी है। ...(व्यवधान) ये चर्चा की बात नहीं कर रहे, ये वैल में आने की बात करते हैं। ...(व्यवधान) आपने देख

लिया है कि ये चर्चा नहीं चाहते, क्योंकि चर्चा में सब बातें सामने आ जाएंगी। ...(व्यवधान) ये चर्चा नहीं चाहते, ये यह चाहते हैं, जो ये कर रहे हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, ये चर्चा नहीं चाहते, ये यही चाहते हैं, जो ये कर रहे हैं।...(व्यवधान) ये अपनी बात कहने के बाद दूसरों को अपनी बात भी नहीं कहने देते। ...(व्यवधान) ये अपनी बात कहने के बाद सरकार को अपनी बात भी नहीं कहने देते। ...(व्यवधान) यही इस बात से साबित होता है कि ये व्यवधान चाहते हैं, चर्चा नहीं चाहते है।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

MADAM SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 12 Noon.

11.08 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Twelve of the Clock.

12.00 hrs.

The Lok Sabha re-assembled at Twelve of the Clock.

(Dr. M. Thambidurai *in the Chair*)

MR. CHAIRMAN : The House will now take up item no. 4, Papers to be laid on the Table.

Shri Basu Deb Acharia.

...(*Interruptions*)

SHRI T.R. BAALU (SRIPERUMBUDUR): Sir, my Calling Attention has not been taken up for the last one month. ...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Shri Basu Deb Acharia is on his legs.

...(*Interruptions*)